Chapter - 1

https://parikshasolutions.blogspot.com

विकास — विकास का शब्दिक अर्थ है, प्रगति, किसी भी वस्तु का विकास होना या विकसित होना विकास कहलाता है।

विकास का क्या वादा करता है।
भूमिहीन ग्रामीण मजदूर का विकास के लिए सोच —
(i) काम करने के लिए अधिक दिन और बेहतर मजदूरी, और खेतो की अच्छी सिंचाई मिलें।
(ii) बच्चों को उत्तम शिक्षा भी मिले।

प्रति व्यक्ति आय — देश की कुल आय को जनसंख्या से भाग देकर निकाली जाती है औसत आय को प्रतिव्यक्ति आय कहते है।

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{देश की कुल आय}}{\text{जनसंख्या}}$$

शिशु मृत्यु दर — किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में एक वर्ष की आयु से पहले ही मर जाने वाले बच्चों के अनुपात को शिशु मृत्यु दर कहते है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

राष्ट्रीय विकास से क्या अभिप्राय है ?

Ans- (i) क्या सभी विचारों को बराबर का महत्व दिया जा सकता है।
(ii) या यदि परस्पर विरोध है तो निर्णय कैसे किया जाए।
(iii) सभी के लिए न्यायपूर्ण और सही राह क्या है।
(iv) हमें यह भी सोचना होगा कि क्या कार्य करने का कोई बेहतर तरीका है ताकि सभी का लाभ हो।

राष्ट्रीय विकास का अभिप्राय इन प्रश्नों पर विचार करना है।

Q. हम औसत आय का प्रयोग क्यो करते है ?
~~औसत आय किसे कहते है ?~~
हर एक देश की जनसंख्या अलग-अलग होती है कुल आय की तुलना करने से हमें यह ~~पता~~ ज्ञात नही होगा कि औसत व्यक्ति क्या कमा सकता है क्या एक देश के लोग दूसरे देश के लोगों से बेहतर है। इसलिए हम औसत आय की तुलना करते है।

Note - इस प्रश्न का उत्तर आगे है इसलिए यहाँ नही लिखना है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

आय और अन्य मापदण्ड

जब हमने प्रति व्यक्ति और लक्ष्यों को देखा तो पाया कि लोग केवल आय के बारे में नहीं सोचते बल्कि सुरक्षा, आजादी, व्यवहार इत्यादि लक्ष्यों के बारे में सोचते हैं। इसीप्रकार जब हम किसी देश के बारे में सोचते हैं तो हम औसत आय के अतिरिक्त औसत अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्यों के विषय में सोचते हैं।

मानव विकास — मानव विकास का अर्थ है— एक व्यक्ति का इस प्रकार से विकास किया जाए कि वह अपनी प्रतिभा के विकास अनुसार सृजनात्मक जीवन बिता सके।

राष्ट्रीय आय — एक लेखा वर्ष में देश के अन्दर सभी आर्थिक क्रियाओं से प्राप्त आय में जब विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ते हैं तो राष्ट्रीय आय प्राप्त होती है।

पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आसपास देखें हों।

Ans— कोयले एवं खनिज तेल को जलाना, वनों की कटाई, अनावश्यक गाड़ियों द्वारा प्रदूषण, वाहनों द्वारा ध्वनि प्रदूषण, उर्वरकों तथा कीटनाशकों का उपयोग पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जो हमने अपने आस-पास देखे हैं।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

विश्व बैंक वर्गों का वर्गीकरण करने के लिए किस प्रमुख मापदंड का प्रयोग करता है? इस मापदंड की अगर कोई है तो सीमाएँ क्या है।

जिन देशों की आय अधिक होती है। उन्हे अधिक विकसित समझा जाता है, और कम आय के देश को कम विकसित। ऐसा माना जाता है कि अधिक आय का अर्थ है - इंसान उन सभी चीजों को अधिक आय के जरिए प्राप्त कर पाएँगे।

इसलिए ज्यादा आय विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने का प्रमुख मापदंड माना जाता है।

विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2006 में देशों का वर्गीकरण करने में इस मापदंड का प्रयोग किया गया है। वे देश जिनकी 2004 में प्रतिव्यक्ति आय 10,066 डॉलर प्रतिवर्ष या उससे अधिक है। समृद्ध देश है और वे देश जिनकी प्रतिव्यक्ति आय 825 डॉलर प्रतिवर्ष या उससे कम है उन्हे निम्न आय देश कहा गया है। भारत निम्न आय देशों के वर्ग में आता है क्योंकि उसकी प्रतिव्यक्ति आय 2004 में 620 डॉलर प्रतिवर्ष थी।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

सीमाएँ — विभिन्न देशों का वर्गीकरण करने के लिए किसी देश की राष्ट्रीय आय को अच्छा मापदंड नहीं माना जा सकता है क्योंकि विभिन्न देशों की जनसंख्या विभिन्न होती है। कुल आय की तुलना करने से हमें यह पता नहीं चलेगा है कि औसत व्यक्ति क्या कमा सकता है। इससे हमें देशों के लोगों की परिस्थिति का भी पता नहीं चल पाता। इसलिए राष्ट्रीय आय वर्गीकरण का अच्छा मापदंड नहीं है।

विकास मापने का यू० एन० डी० पी० का मापदंड किन पहलूओं में विश्व बैंक के मापदंड से अलग है।

Ans— विश्व बैंक का मापदंड केवल आय पर आधारित है। इस मापदंड की बहुत-सी सीमाएँ है। आय के अतिरिक्त भी कई अन्य मापदंड है जो विकास मापने के लिए जरूरी है क्योंकि मनुष्य केवल बेहतर आय के बारे में नहीं सोचता, बल्कि वह अपनी सुरक्षा, दूसरों से आदर और बराबरी का व्यवहार पाना, आजादी आदि जैसे अन्य लक्ष्यों के बारे में भी सोचता है।

यू० एन० डी० पी० द्वारा प्रकाशित मानव विकास के लिए निम्नलिखित मापदंड अपनाए गए —

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

1. लोगो का स्वास्थ्य — मानव विकास का प्रमुख मापदंड है स्वास्थ्य या दीर्घायु।
विभिन्न देशों के लोगों की जीवन प्रत्याशा जितनी अधिक होगी, वह मानव विकास की दृष्टि से उतना ही अधिक विकसित देश माना जाएगा।

2. शैक्षिक स्तर — मानव विकास का दूसरा प्रमुख मापदंड शैक्षिक स्तर है। किसी देश में साक्षरता की दर जितनी ज्यादा होगी वह देश उतना ही विकसित माना जाएगा।

3. प्रतिव्यक्ति आय — मानव विकास का तीसरा मापदंड है। प्रतिव्यक्ति आय।
जिस देश में प्रतिव्यक्ति आय अधिक होगी उस देश को अधिक विकसित माना जाएगा और जिस देश की प्रतिव्यक्ति आय कम होगी उसे ~~कम~~ ~~वि~~ अल्पविकसित माना जाएगा।

प्र० - पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदा० की सूची बनाइए, जो आप अपने आसपास देखे हो - कोयले एवं खनिज तेल का जलाना, वनो की कटाई, अनावश्यक गाड़ियों द्वारा प्रदूषण, वाहनों द्वारा ध्वनि प्रदूषण, उर्वरकों तथा कीटनाशकों का उपयोग पर्यावरण में गिरावट के के उदा० है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

विकसित तथा अविकसित देशों में अंतर स्पष्ट कीजिए — विकसित देश ⇒

(i) इन देशों की प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है।
(ii) लोगों का जीवन-स्तर ऊँचा होता है।
(iii) उदा० - अमेरिका, इंग्लैण्ड, जापान आदि

अविकसित देश ⇒

(i) इन देशों की प्रति व्यक्ति आय कम होती है।
(ii) लोगों का जीवन स्तर निम्न होता है।
(iii) उदा० - अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान आदि

शरीर द्रव्यमान सूचकांक (B.M.I.) क्या होता है?
यह हमारे शरीर के पोषण स्तर को नापने का तरीका होता है। इसकी गणना के लिए पहले व्यक्ति के कुल भार को किलोग्राम में तौला जाता है, फिर उसकी ऊँचाई को सेंटीमीटर में नापते हैं। फिर भार को ऊँचाई के वर्ग से भाग देने पर हमें शरीर का द्रव्यमान सूचकांक (B.M.I.) प्राप्त हो जाता है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE:

हम औसत का प्रयोग क्यों करते है ? इनके प्रयोग करने की क्या कोई सीमाएँ है ? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

हम औसत का उपयोग विभिन्न देशों, राज्यों अथवा क्षेत्रों की तुलना करने के लिए करते है।

सीमाएँ —

(i) यह आय के वितरण के संबंध में सही तस्वीर नहीं बताता है।

(ii) यह अभौतिक वस्तुओं तथा सेवाओं संबंधी कोई जानकारी नहीं देता है।

उदाहरण — मान लीजिए कि किसी देश में रहने वाले ~~चार~~ पाँच परिवारों में से ~~तीन~~ चार परिवार 5000-5000 रुपये कमाते है तथा एक परिवार 48000 रु. कमा रहा है। देश में आर्थिक असमानता बहुत अधिक है ~~इससे~~ औसत आय से यह पता नहीं चलता ~~लगाया जा सकता~~ है कि यह आय लोगों में किस प्रकार वितरित है।

प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमांक पंजाब से ऊँचा है। इसलिए प्रतिव्यक्ति आय एक उपयोगी मापदंड बिल्कुल नहीं है और राज्यों की तुलना के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। क्या आप सहमत है? चर्चा कीजिए।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

यह सच है कि प्रतिव्यक्ति आय मापक उपयुक्त मानव विकास नहीं दर्शाता है। आपके पास उपलब्ध मुद्रा से आप वह सभी वस्तुएँ तथा सेवाएँ नहीं खरीद सकते हैं, जिससे आप अच्छी तरह जीवन ~~व्यय~~ व्यतीत कर सकें। उदाहरणस्वरूप आपके पास उपलब्ध मुद्रा से आप प्रदूषण रहित वातावरण नहीं खरीद सकते हैं। इसलिए केरल की प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी उसका मानव विकास महाराष्ट्र से अच्छा है।

भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्त्रोतों का प्रयोग किया जाता है? ज्ञात कीजिए। अब से 50 वर्ष पश्चात् क्या संभावनाएँ हो सकती है।
भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा निम्न स्त्रोत प्रयोग लिए जाते हैं —
कोयला, पेट्रोल, बिजली, लकड़ी, गोबर के कंडे, रद्दी, घास आदि।

अब से 50 वर्षों बाद की संभावनाएँ निम्न है —
(i) बिजली - हाइड्रो, थर्मल, न्यूक्लियर
(ii) बायो ऊर्जा - बायो गैस, बायो मास
(iii) सूर्य ऊर्जा
(iv) पवन ऊर्जा
(v) ऑटोमेटिक ऊर्जा का विकास
(vi) ऊर्जा पूर्ति हेतु नए उपकरण

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यो महत्वपूर्ण है ?

धारणीयता से अभिप्राय है सतत पोषणीय विकास अर्थात् ऐसा विकास जो वर्तमान पीढी तक ही सीमित न रहे बल्कि आगे आनेवाली पीढी को भी मिले। वैज्ञानिकों का कहना है कि हम संसाधनो का जैसे प्रयोग कर रहे हैं, इससे लगता है कि संसाधन शीघ्र समाप्त हो जाएंगे और आगे आनेवाली पीढी के लिए नही बचेगे। यदि हमें विकास को धारणीय बनाना है अर्थात् निरंतर जारी रखना है तो हमें संसाधनो का प्रयोग इस तरह से करना होगा जिससे विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे और भावी पीढी के लिए संसाधन बचे रहें।

प्रश्न 12. तालिका 1.6 में दी गई प्रत्येक मद के लिए ज्ञात कीजिए कि कौन-सा देश सबसे ऊपर है और कौन-सा सबसे नीचे।

तालिका 1.6 : वर्ष 2017 के लिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के कुछ आँकड़े

देश	सकल राष्ट्रीय आय (स.रा.आ.) प्रति व्यक्ति अमेरिकी डॉलर में (2011 क्रय शक्ति क्षमता)	जन्म के समय संभावित आयु (2017)	विद्यालयी औसत आयु 25 वर्ष या उससे अधिक (2017)	विश्व में मानव विकास सूचकांक (HDI) का क्रमांक (2016)
श्रीलंका	11,326	75.5	10.9	76
भारत	6,353	68.8	6.4	130
म्यांमार	5,567	66.7	4.9	148
पाकिस्तान	5,331	66.6	5.2	150
नेपाल	2,471	70.6	4.9	149
बांग्लादेश	3,677	72.8	5.8	136

https://parikshasolutions.blogspot.com

Ans – तालिका 1.6 के अनुसार हम निम्न निष्कर्ष निकाल सकते हैं –

(i) प्रति व्यक्ति आय के रूप में श्रीलंका 11,326 अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे ऊपर है, जबकि बांग्लादेश 3,677 अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे नीचे है।

(ii) जन्म के समय संभावित आयु के रूप में पुनः श्रीलंका 75.5 वर्षों के साथ सर्वप्रथम है, जबकि बांग्लादेश 72.8 वर्षों के साथ सबसे नीचे है।

(iii) विद्यालयी औसत आयु 25 वर्ष या उससे अधिक वाले क्रम में श्रीलंका 10.9 के साथ प्रथम स्थान पर तथा नेपाल 4.9 के साथ अंतिम स्थान पर है।

(iv) विश्व में मानव विकास सूचकांक (HDI) के स्थान में श्रीलंका (76 वाँ) सबसे ऊपर है, जबकि पाकिस्तान (150 वाँ) सबसे नीचे है।

www.notesdrive.com

प्रश्न 13. नीचे दी गई तालिका में भारत में व्यस्कों (15-49 वर्ष आयु वाले) जिनका बी.एम.आई. सामान्य से कम है (बी.एम.आई. < 18.5 kg/m^2) का अनुपात दिखाया गया है। यह वर्ष 2015-16 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है। तालिका का अध्ययन करके निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए –

राज्य	पुरुष %	महिला %
केरल	8.5	10
कर्नाटक	17	21
मध्य प्रदेश	28	28
सभी राज्य	20	23

(क) केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तरों की तुलना कीजिए।

(ख) क्या आप अंदाज़ा लगा सकते हैं कि देश में लगभग हर पाँच में से एक व्यक्ति अल्पपोषित क्यों है, यद्यपि यह तर्क दिया जाता है कि देश में पर्याप्त खाद्य है? अपने शब्दों में विवरण दीजिए।

Ans- (क) दी गई तालिका से यह प्रदर्शित होता है कि केरल में लोगों का पोषण स्तर मध्य प्रदेश की तुलना में कम है। मध्य प्रदेश में पुरुषों का पोषण स्तर 28% तथा महिलाओं का पोषण स्तर 28% है जबकि केरल में यह अनुपात क्रमशः 8.5% तथा 10% है।

(ख) देश में पर्याप्त अनाज होने के बावजूद हमारी जनसंख्या का 20% भाग अल्प पोषित है क्योंकि हमारे देश में अभी भी लगभग 20% लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। ये व्यक्ति इतना भी नहीं कमा पाते कि अपने लिए दो समय का खाना प्राप्त कर सकें। इसलिए देश में अनाज उपलब्ध होने के बावजूद ये उसे खरीद नहीं पाते और अल्पपोषित रहते हैं।

https://parikshasolutions.blogspot.com